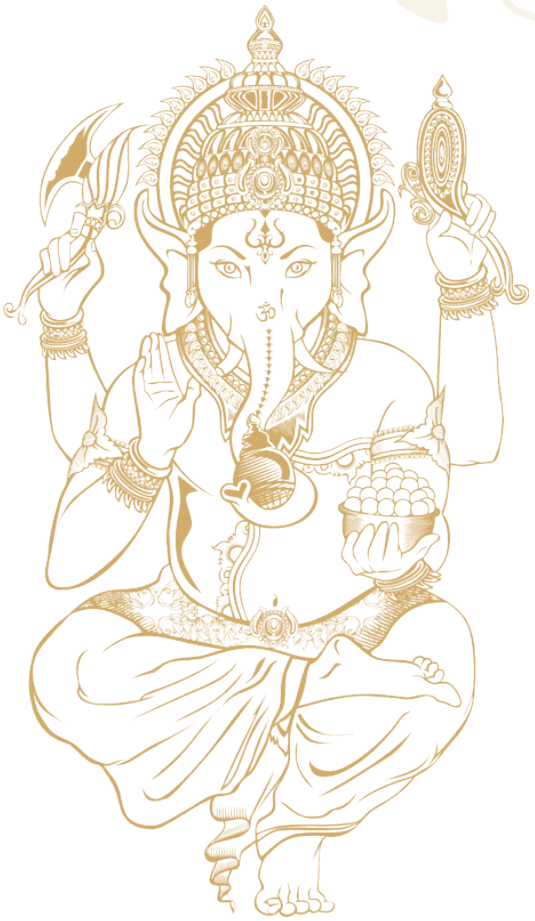

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119453104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/03/1993	जन्म तिथि	17/06/1999
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	10:02:00 घंटे
घटी 08:40:41	जन्म समय(घटी)	12:27:44 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Delhi
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:43	सूर्योदय	05:23:10
18:02:15	सूर्यास्त	19:20:41
23:46:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:46

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 8मा 15दि		02:27:23	वृष	लग्न	सिंह	01:23:50	बुध 15वर्ष 0मा 27दि	
गुरु		25:50:06	कुंभ	सूर्य	मिथु	01:43:39	शुक्र	
24/11/2019		21:03:22	कन्या	चंद्र	कर्क	18:10:32	14/07/2021	
24/11/2035		17:48:45	मिथु	मंगल	तुला	01:39:20	14/07/2041	
गुरु	11/01/2022	23:49:37	कुंभ व	बुध	मिथु	23:48:47	शुक्र	13/11/2024
शनि	24/07/2024	18:31:30	कन्या व	गुरु	मेष	04:15:17	सूर्य	13/11/2025
बुध	30/10/2026	26:13:34	मीन	शुक्र	कर्क	16:57:34	चन्द्र	15/07/2027
केतु	06/10/2027	00:31:42	कुंभ	शनि	मेष	19:00:40	मंगल	13/09/2028
शुक्र	06/06/2030	22:37:22	वृश्चि व	राहु व	कर्क	20:05:44	राहु	14/09/2031
सूर्य	25/03/2031	22:37:22	वृष व	केतु व	मक	20:05:44	गुरु	15/05/2034
चन्द्र	24/07/2032	27:30:16	धनु	हर्ष व	मक	22:40:32	शनि	14/07/2037
मंगल	30/06/2033	26:52:01	धनु	नेप व	मक	10:05:33	बुध	14/05/2040
राहु	24/11/2035	01:43:02	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:49:34	केतु	14/07/2041

लग्न-चलित

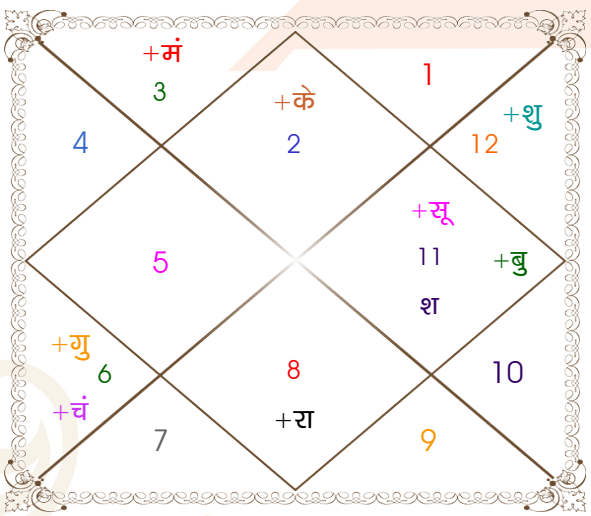

लग्न-चलित

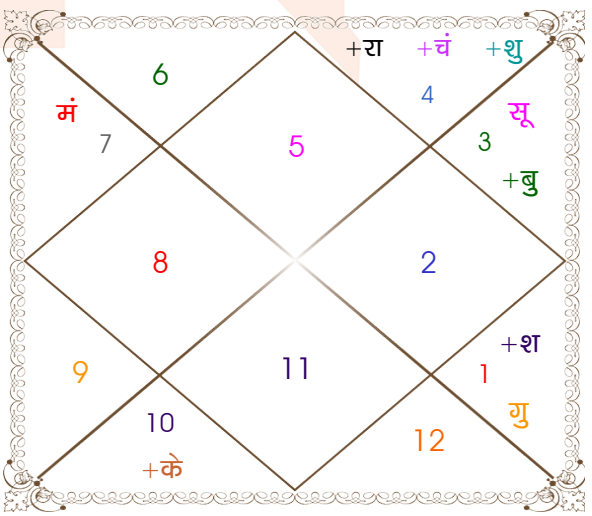

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।